Daily Current Affairs 12th Nov 2020

1. **ओडीशा पोषण में मछली योजना शुरू करेगी**

खबर में क्यों?

- ओडिशा सरकार बच्चों, गर्भवती और बच्चे पालने वाली महिलाओं और किशोर लड़कियों के लिए संपूरक पोषणीय कार्यक्रम में मछली और मछली आधारित उत्पादों को लागू करने जा रही है।
- इस संबंध में एक सहमतिपत्र राज्य सरकार और विश्व मछली, एक गैर लाभकारी संगठन के बीच में हस्ताक्षरित होने जा रहा है।
- इस संबंध में एक पायलट परियोजना **मयूरभंज जिले में 50 आंगनबाड़ी केंद्रों** में शुरू किया जाएगा।

विश्व मत्स्य संगठन

- यह एक अंतरराष्ट्रीय गैरलाभकारी शोध संगठन है जो मत्स्यन और मत्स्यपालन की संभावना का उपयोग जीवनयापन को मजबूत करने और खाद्य और पोषण सुरक्षा को सुधारने के लिए करता है।
- वर्ल्ड फिश अंतरराष्ट्रीय कृषीय शोध **(CGIAR)** के लिए परामर्शदात्री समूह है जो खाद्य सुरक्षित भविष्य के लिए वैश्विक शोध साझेदारी है।
- वैश्विक रूप से, 1 अरब से ज्यादा लोग मछली से ही अपनी अधिकांश पशु प्रोटीन हासिल करते हैं और 800 मिलियन लोग अपने जीवनयापन के लिए मत्स्यन और मछली पालन पर निर्भर हैं।

ओडीशा सरकार द्वारा शुरू की गई अन्य योजनाएं

- ओडीशा सरकार ने कई योजनाओं की शुरुआत की है, जैसे कि **बाजरा मिशन** और **आयरन प्लस पहल,** जिससे लोगों के मध्य पोषण को बढ़ाया जा सके, विशेष रूप से बच्चों और आदिवासी लोगों के बीच में, और राज्य को यह निश्चित करना है कि कोई भी पोषण अभियान से बाहर न छूट जाए।

ओडीशा बाजरा मिशन (OMM)

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इसे ओडीशा के आदिवासी क्षेत्रों में बाजरे के प्रोत्साहन के लिए विशेष कार्यक्रम कहा जाता है जिसे **2017 में ओडीशा सरकार द्वारा** शुरू किया गया था जिससे लोगों की थालियों व खेतों में बाजरे को पुनर्जीवित किया जा सके।
- इसका उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली और अन्य राज्य पोषण योजनाओं में बाजरे को लागू करके कुपोषण से निपटा जाए।

राष्ट्रीय आयरन प्लस पहल

- 2013 में **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** ने "राष्ट्रीय आयरन प्लस पहल" की शुरुआत एक समग्र रणनीति के रूप में की जिससे विभिन्न जीवचक्रों में चल रही लोहे की कमी अर्थात रक्तअल्पता के सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती से निपटा जा सके।
- आयरन एवं फोलिक एसिड संपूरकों के साथ आयु विशेषीकृत हस्तक्षेप हैं। साथ ही हीमोग्लोबिन स्तरों में सुधार के लिए डिवार्मिंग करना भी है जिससे सभी आयु वर्गों में रक्त अल्पता के मामलों को कम किया जा सके।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- स्वास्थ्य मामले/महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. देश के पूंजी वस्तु क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार द्वारा अंतर-मंत्रीय पैनल की स्थापना

समाचार में क्यों?

- सरकार ने भारत के पूंजी वस्तु क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए 22-सदस्यीय अंतर-मंत्रीय समिति का गठन किया है। यह समिति हस्तक्षेप करेगी जिससे 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी और साथ ही 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर वाले विनिर्माण क्षेत्र का भी विकास होगा।

अध्यक्ष

- अंतर-मंत्रीय समिति सचिव, भारी उद्योग विभाग की अध्यक्षता में कार्य करेगी।

शासनादेश

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- समिति पूंजी वस्तु क्षेत्र से संबंधित मामलों को देखेगी, जिसमें तकनीक विकास, मातृ तकनीक विकास, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं, परीक्षण, कौशल प्रशिक्षण, वैश्विक मानक, पारस्परिक मुद्दे और वैश्विक रूप से प्रतियोगी बनाने के लिए सीमा शुल्क और दुनिया में विनिर्माण का केंद्र बनना शामिल हैं।
- यह पैनल भारी उद्योग विभाग को सहायता देगा जिससे वह क्षेत्र से संबंधित सभी मामलों के लिए सर्वांगीण दृष्टि ले सके।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थव्यवस्था

स्रोत- दि हिंदू

3. **20वां शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन**

समाचार में क्यों?

- शंघाई सहयोग संगठन परिषद (SCO) देशों के प्रमुखों का 20वां शिखर सम्मेलन रूस की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

SCO

- यह एक स्थाई अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना 2001 में कजाखस्तान, चीन, किर्गिजिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान द्वारा की गई थी।

सदस्य

- चीन, भारत, कजाखस्तान, किर्गिजिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान। भारत और पाकिस्तान 2017 में SCO के स्थाई सदस्य बनें।
- **पर्यवेक्षक देशः** अफगानिस्तान, बेलारूस, ईरान और मंगोलिया
- शंघाई सहयोग संगठन की आधिकारिक कार्यकारी भाषा चीनी और रूसी है।
- SCO सचिवालय जो **बीजिंग में है, SCO का मुख्य कार्यकारी निकाय** है।
- **SCO में सर्वोच्च निर्णय निर्माता निकासय राज्यप्रमुखों की परिषद** है। यह वर्ष में एक बार मिलती है और संगठन के सभी महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णयों और दिशा-निर्देशों को अपनाती है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

लक्ष्य

- सदस्य देशों के मध्य आपसी विश्वास और पड़ोसीपन को मजबूत करना;
- राजनीति, व्यापार, अर्थव्यवस्था, शोध, तकनीक, संस्कृति, शिक्षा, ऊर्जा, परिवहन, पर्यटन, पर्यावरणीय संरक्षण में प्रभावी सहयोग को प्रोत्साहित करना।

क्षेत्रीय आंतकवाद निरोधक संरचना

- यह SCO का स्थाई अंग है जो आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ के खिलाफ सदस्य देशों के सहयोग को प्रोत्साहित करता है।
- क्षेत्रीय आतंकवाद निरोधक संरचना (RATS), ताशकंद, उज्बेकिस्तान में मुख्यालय है।
- सभी SCO सदस्य, चीन, भारत और पाकिस्तान को छोड़कर, यूरेशियाई आर्थिक समुदाय के भी सदस्य हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II-अंतरराष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

4. **ऑपरेशन ग्रीन्स- सर्वोच्च से कुल योजना**

खबर में क्यों?

- हाल में ग्रीन्स ऑपरेशन योजना सर्वोच्च से कुल के अंतर्गत, भारत में किसी स्थान के लिए उत्तर-पूर्व और हिमालयन राज्यों से 41 अधिसूचित फलों और सब्जियों के लिए वायु परिवहन के वासेतु 50 प्रतिशत परिवहन सब्सिडी उपलब्ध कराई गई है।

संबंधित सूचना

- ऑपरेशन ग्रीन्स- सर्वोच्च से कुल योजना के लिए अन्य शर्तों में छूट के लिए, पात्र हवाई अड्डों से एयरलाइन के द्वारा परिवहन के लिए, अधिसूचित फलों और सब्जियों के माल 50% भाड़ा सब्सिडी के लिए पात्र होंगी। मात्रा और मूल्य का इसके ऊपर असर नहीं होगा।
- परिवहन सब्सिडी पहले ऑपरेशन ग्रीन्स योजना के अंतर्गत 12.10.2020 से किसान रेल योजना के लिए विस्तारित की गई थी।
- रेलवे अधिसूचित फलों और सब्जियों पर केवल माल भाड़े का 50% ही लेता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

पात्र हवाई अड्डेः

- उत्तर-पूर्व से अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम (बागडोगरा) और त्रिपुरा, और पहाड़ी क्षेत्रों से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू व कश्मीर एवं लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के सभी हवाई अड्डे।

नोटः

- भारत की पहली किसान पार्सल ट्रेन अथवा किसान ट्रेन 7 अगस्त को शुरू होगी और **महाराष्ट्र के देवलाली और बिहार के दानापुर** के बीच में माल का परिवहन करेगी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- PIB

5. **अवसंरचना व्यवहार्यता अंतराल वित्त पोषण योजना में सार्वजनिक-निजी साझेदारी को वित्तीय समर्थन के लिए योजना**

खबर में क्यों?

- आर्थिक मामलों पर कैबिनेट समिति ने अवसंरचना व्यवहार्यता अंतराल वित्त पोषण (VFG) योजना में सार्वजनिक निजी साझेदारी (PPPs) के वित्तीय समर्थन को सतत और पुनर्व्यवस्थित करने के लिए 2024-25 तक स्वीकृति दे दी है।

व्यवहार्यता अंतराल वित्त पोषण योजना

- आर्थिक मामलों के विभाग, वित्त मंत्रालय ने 2006 में "अवसंरचना में सार्वजनिक निजी साझेदारी को वित्तीय समर्थन के लिए योजना" (व्यवहार्यता अंतराल योजना) में शुरू किया था।
- पुनर्व्यवस्थित योजना सामाजिक अवसंरचना में निजी भागीदारी को सही करने के लिए दो उप-योजनाओं की शुरुआत से मुख्य रूप से संबंधित हैः

उप-योजना-I:

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- यह सामाजिक क्षेत्र जैसे अपशिष्ट जल उपचार, जल आपूर्ति, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों इत्यादि को जरूरतों को पूरा करती है।
- परियोजना के इस श्रेणी के अंतर्गत पात्र होने के लिए कम से कम 100% प्रचालन लागत का वापस आना जरूरी है।
- केंद्र सरकार कुल परियोजना लागत के अधिकतम 30% को देगी (TPC) जो कि VGF के रूप में होगा। और राज्य सरकार/प्रायोजित करने वाले केंद्रीय मंत्रालय/वैधानिक निकाय कुल TPC के 30% तक का अतिरिक्त समर्थन दे सकते हैं।

उप-योजना-2:

- यह उप-योजना प्रदर्शन/पाइलट सामाजिक क्षेत्रों की परियोजनाओं को समर्थन देगी।
- परियोजनाएं स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों से हो सकती हैं जहां कम से कम 50% तक प्रचालन लागत पुनर्वापसी हो सकती है।
- इस तरह की परियोजनाओं में, केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर पूंजी खर्च का 80% तक उपलब्ध कराएंगी और प्रचालन और रखरखाव लागत का 50% तक चुकाएंगी जो कि पहले पांच वर्षों के लिए होगा।

लाभ:

- योजना का उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक अवसंरचना में PPP को प्रोत्साहित करना है जिससे परिसंपत्तियों का ज्यादा सक्षम सृजन होगा और उनके प्रचालन और रखरखाव को ज्यादा ठीक तरीके से सुनिश्चित किया जा सकेगा और आर्थिक/सामाजिक जरूरी परियोजनाओं को व्यवसायिक रूप से ज्यादा व्यवहार्य बनाया जा सकेगा।

प्रभाव:

- प्रस्तावित VGF योजना की पुनर्व्यवस्था से ज्यादा PPP परियोजनाएं आएंगी और सामाजिक क्षेत्रों (स्वास्थ्य, शिक्षा, अपशिष्ट जल, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जल आपूर्ति इत्यादि) में निजी निवेश को प्रोत्साहित मिलेगा।
- नए अस्पतालों, स्कूलों की स्थापना से रोजगार सृजन को बढ़ावा देनी वाली संभावनाओं के द्वार खुलेंगे।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-अर्थव्यवस्था

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

स्रोत-PIB

6. **ऑपरेशन थंडर-2020**

खबर में क्यों?

- हाल में, भारतीय सीमा शुल्क ने **ऑपरेशन थंडर-2020** के अंतर्गत संयुक्त अरब अमीरात को जाने वाले लाल चंदन के एक 18 टन के माल को पकड़ा।

ऑपरेशन थंडर 2020

- यह थंडर ऑपरेशनों की श्रृंखला की चौथी श्रंखला है जिसे 2017 से वार्षिक रूप से किया जा रहा है।
- आपरेशन थंडर 2020 एक महीने लंबा ऑपरेशन है जिसे इंटरपोल और विश्व उत्पाद संगठन (WCO) द्वारा समन्वित किया जाता है जो 103 देशों की प्रवर्तन एजेंसियों को शामिल करती हैं।
- ऑपरेशन को पर्यावरणीय अपराध के विरुद्ध चलाया गया है।
- इसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में संरक्षित वन्यजीव और वानिकी वस्तुओं और उत्पादों को जब्त किया गया जिससे पूरे विश्व में गिरफ्तारियां और जांचें हुईं।

प्राथमिकता प्रजातियां

- ऑपरेशन 2020 में भाग लेने वाले देशों ने मुख्य रूप से जंगली जीवजात एवं वनस्पतिजात की संकटग्रस्त प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर संधि के अंतर्गत संरक्षित प्रजातियों पर जोर दिया।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-पर्यावरण

स्रोत- PIB

7. **जी20 ऋण सेवा स्थगन पहल**

खबर में क्यों?

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- हाल में, केंद्रीय वित्त मंत्री ने पहली BRICS वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक गर्वनरों (FMCBG) की बैठक में भाग लिया। यह बैठक रूसी अध्यक्षता में हुई।
- वित्त मंत्री ने कहा कि G20 जिसके सभी BRICS देश सदस्य हैं, ने कई महत्वपूर्ण पहलें जैसे कि जी20 ऋण सेवा स्थगन पहल और कोविड-20 के प्रतियुत्तर में जी20 कार्य योजना को पूरा किया है।

जी20 ऋण सेवा स्थगन पहल

- इसे अप्रैल 2020 में जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गर्वनरों की बैठक के बाद शुरू किया गया था।
- यह उन देशों के लिए समयबद्ध ऋण पुनर्वापसी के स्थगन की पहल है जो इसके लिए निवेदन करें (मूल और ब्याज दोनों ही)।

पात्र देश

- यह पहल 76 देशों पर लागू होती है जोकि विश्व बैंक अंतरराष्ट्रीय विकास समिति से सहायता पाने के लिए पात्र हैं, और वे सभी देश जिन्हें संयुक्त राष्ट्र ने अल्प विकसित देशों का तमगा दे रखा है।
- पात्र देशों को किसी ऋण सेवा पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के लिए वर्तमान होना जरूरी है, इसलिए जिन देशों पर इन संस्थानों के बकाया बाकी हैं वे इसमें भागीदारी नहीं कर सकते हैं।

भागीदारी के लिए मानदंड

- **जी20 ने एक समान टर्म शीट जारी की है जिसमें मुख्य विशेषताएं और शर्तें लिखी हैं जिससे ऋण राहत के लिए पात्र हुआ जा सकता है, ये निम्न हैः**

पहल तक पहुँच उन देशों तक ही सीमित है जोः

- जिन्होंने ऋणदाताओं से ऋण सेवा स्थगन के लिए औपचारिक निवेदन किया है, और
- लाभान्वित हो रहे हैं, अथवा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से निवेदन किया है, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष वित्तीयन जिसमें आपातकालीन सुविधाएं शामिल हैं (RFI/RCF)।

अवधि एवं क्रियान्वयन

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- यह पहल 1 मई 2020 से लागू होती है जब तक वर्ष न समाप्त हो जाए, विस्तार उसी अवस्था में दिया जाएगा जब पात्र देशों की व्यक्तिगत तरलता जरूरतों की आवश्यकता होगी।
- पहल या तो संशोधित कार्यक्रम अथवा ऋण के पुनर्वित्तीयन के द्वारा हासिल की जाएगी जो कि अन्य वित्तीयन समझौते के तहत चिंताओं को फिर से पैदा कर सकती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थव्यवस्था

स्रोत-PIB+ व्हाइटकेस.कॉम

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW